प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) योजना की 20वीं किस्त के विमोचन पर रिपोर्ट

स्थान: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

तिथि: 2 अगस्त, 2025

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) योजना की 20वीं किस्त के विमोचन के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम निदेशक (कार्यकारी) डॉ. एन.पी. साहू के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यारी रोड, वर्सोवा स्थित नए परिसर के कक्ष संख्या 319 में सुबह 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री. रामदास आठवले जी, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार थे ।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. देबजित शर्मा, कार्यकारी निदेशक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष जल कृषि विभाग, भा.कृ.अनु.प.- कें.मा.शि.सं., मुंबई के स्वागत भाषण एवं उद्घाटन संबोधन के साथ हुई। उन्होंने मत्स्यिकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार के क्षेत्र में कें.मा.शि.सं., मुंबई की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के विशेष सत्र "मन की बात मछुआरों के साथ" का संचालन डॉ. अर्पिता शर्मा, विभागाध्यक्ष, मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी विभाग ने किया। इस संवादात्मक सत्र में स्थानीय मछुआरों, वैज्ञानिकों और मंत्री जी के बीच सार्थक चर्चा हुई। कोली समुदाय के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि श्री. राजहंस टपके ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा मत्स्यिकी को कृषि का दर्जा देने की सराहना की। मछुआरा समुदाय के अन्य प्रतिनिधियों ने अपनी बातें रखते हुए योजनाओं जैसे 'लखपति दीदी', 'एम.एस.पी', 'पी.एम किसान' आदि का लाभ मछुआरों को भी दिये जाने की मांग की। कोली समुदाय को सांस्कृतिक विरासत का दर्जा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

अपने मुख्य भाषण में माननीय श्री. रामदास आठवले जी ने भारत में मत्स्य अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, "मछली पकड़ना एक परिश्रमी और कौशल-आधारित पेशा है। यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि मत्स्यिकी क्षेत्र को सशक्त और आधुनिक बनाया जाए।" उन्होंने दिसंबर 2018 में शुरू हुई पीएम-किसान योजना की उपलब्धियों को उजागर करते हुए बताया कि देश भर में लाखों किसानों को इससे आर्थिक सहायता मिली है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) का भी उल्लेख किया, जो मत्स्य क्षेत्र को विशेष रूप से सशक्त करने हेतु बनाई गई है।

मंत्री महोदय ने स्वच्छता कार्यक्रमों और सामुदायिक पहलों के माध्यम से सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान की भूमिका की सराहना की।

इस अवसर पर केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तिकाओं का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित

परियोजना "स्वच्छता एक्शन प्लान एवं शहरी मछली बाजारों से मछली अपशिष्ट का वाणिज्यिक उपयोग" के अंतर्गत मछुआरिनों को स्वच्छता से संबंधित सामग्री वितरित की गई, जिससे संस्थान की सतत विकास एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता झलकती है।

इस कार्यक्रम में वर्सोवा, जुहू, मढ, मणोरी आदि मछुआरा गांवों से आए 25 से अधिक मछुआरे एवं 35 मछुआरिनों के साथ-साथ किसान उत्पादक संगठन, मत्स्य सहकारी समितियों, केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के वैज्ञानिकों, कर्मचारी, विद्यार्थी, प्रेस, मीडिया, पत्र सूचना कार्यालय, दूरदर्शन और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के सम्मान समारोह के उपरांत, उपस्थित जनसमूह ने वाराणसी से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को संबोधित 20वीं किस्त के विमोचन के लाइव प्रसारण में भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ और केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने नवाचार, समावेशन एवं उत्कृष्टता के माध्यम से भारत के मत्स्यिकी क्षेत्र की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

यह कार्यक्रम केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी प्रभाग द्वारा आयोजित किया गया था। इसका समन्वय डॉ. अर्पिता शर्मा, विभागाध्यक्ष, मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी विभाग, डॉ. स्वदेश प्रकाश (नोडल अधिकारी) एवं डॉ. नेहा कुरैशी (वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभागाध्यक्ष, मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. परमिता बनर्जी सावंत ने किया।

Report of Release of 20th Instalment of PM-KISAN Scheme

at ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai on August 2, 2025

The ICAR–Central Institute of Fisheries Education (CIFE), Mumbai, organized a significant event to mark the release of the 20th instalment of the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-KISAN) Scheme under the leadership of Dr. N.P Sahu, Director (Acting), ICAR-CIFE, Mumbai. The event was held at Room No. 319, New Campus, Yari Road, Versova, Mumbai, and commenced form 9.30 AM onwards.

The programme was graced by Chief Guest Hon'ble Shri. Ramdas Athawale, Minister of State for Social Justice & Empowerment, Government of India.

The event began with a warm welcome and inaugural address by Dr. Debajit Sarma, Acting Director Incharge and Head Aquaculture Division, ICAR-CIFE, Mumbai. Dr. Sarma highlighted the pivotal role of CIFE in advancing higher education, research, and extension in the fisheries sector.

As part of the programme, a special interactive session titled “Mann ki Baat Machuaron ke Saath” was conducted and moderated by Dr. Arpita Sharma, Head, Fisheries Economics, Extension and Statistics Division. The session facilitated a meaningful dialogue between local fishers, scientists, and the Minister. Notably, Shri Rajhans Tapke, a respected representative from the Koli community, appreciated that the Government of Maharashtra has granted the status of agriculture to fisheries sector. Representatives from the fishing community also shared their views, highlighting the need to include and extend the benefits of schemes like Lakhpati Didi, MSP, PM Kisan, and similar agri-farmers-related schemes to fisher communities. A status of cultural heritage to be given to Koli community was also stressed upon.

In his keynote address, Shri. Ramdas Athawale praised CIFE for its outstanding contribution to fisheries research and education in India. “Fishing is a demanding and skill-intensive profession,” he remarked. “It is the dream of Hon’ble Prime Minister Shri Narendra Modi to strengthen and modernize the fisheries sector.” Highlighting the achievements of the PM-KISAN scheme, launched in December 2018, the Minister noted that lakhs of farmers across the nation have benefited from the financial support provided. He also drew attention to the Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana (PMMSY), designed specifically to uplift the fisheries sector through targeted support for both capture and culture fisheries.

The Minister commended ICAR-CIFE for emerging as a premier institution, not only in education and research but also in advancing social justice and equity through its Swachhta of Fish markets and many community-oriented initiatives.

As part of the event, publications from ICAR-CIFE were formally released by the Chief Guest. Additionally, under the ICAR-funded project “Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets”, Swatchta inputs were distributed to fisherwomen, reinforcing the institute’s commitment to sustainability and community welfare. The programme was attended by more than 25 fishermen and 35 fisherwomen from various fishing villages of Versova, Juhu, Madh, Manori etc. along with members from FPOs, Fisheries Cooperative Societies, CIFE scientists, staff, students, Press and media PIB, Doordarshan and NIC.

Following the felicitation of the Chief Guest, the gathering joined the national live broadcast from Varanasi, where Hon’ble Prime Minister Narendra Modi addressed the nation on the occasion of the 20th installment of the PM-KISAN Scheme.

The event concluded with a vote of thanks and a renewed commitment from ICAR-CIFE to continue serving India’s fisheries sector through innovation, inclusivity, and excellence.

The event was organized by Fisheries Economics, Extension and Statistics Division of ICAR-CIFE and coordinated by Dr Arpita Sharma, Head FEES Division, Dr Swadesh Prakash, Nodal officer of the event and Dr Neha Qureshi Senior Scientist, FEES Division. The programme was compered by Dr. Paramita Banerjee Sawant.

सशक्त और समृद्ध किसान, आत्मनिर्भर भारत की पहचान
पीएम किसान सम्मान निधि योजना
की
20वीं किस्त में
आदरणीय प्रधानमंत्री
श्री नरेंद्र मोदी जी
जारी करेंगे किस्त
2 अगस्त 2025, शनिवार
सुबह 11:00 बजे
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
LIVE
सभी किसान भाई-बहन कार्यक्रम से अवश्य जुड़ें
CAR-CIFE
Mumbai
CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION
ICAR
मुंबई
भा. कृ. अनु. प. - केन्द्रीय

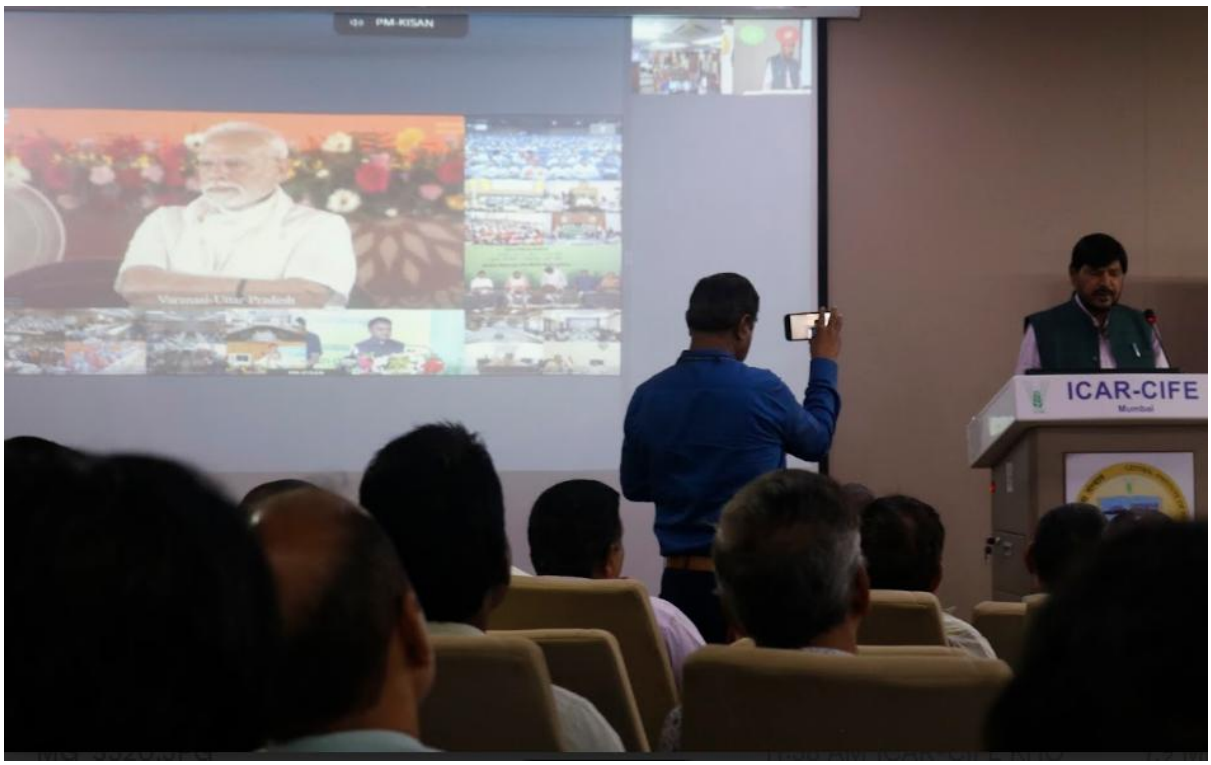
PM-KISAN
ICAR-CIFE
Mumbai

पीएम किसान सम्मान निधि योजना
20वीं किस्त में
ICAR-CIFE
Mumbai
केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान

Dr. Arpita Sharma
Dr. Debaji Sarma

पीएम किसान सम्मान निधि योजना
20वीं किस्त में

सक्षक्त और समृद्ध किसान, आत्मनिर्भर भारत की पहचान
पीएम किसान सम्मान निधि योजना
की
20वीं किस्त में
ICAR-CIFE
Mumbai
LIVE

सशक्त और समृद्ध किसान, आत्मनिर्भर भारत की पहचान
पीएम किसान सम्मान निधि योजना
20वीं किस्त में
मोदी जी
ICAR-CIFE
Mumbai

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान,मुंबई
ICAR-CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION